सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 20 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 21 फरवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप भय पर विजय पाना चाहते हैं तो घर पर बैठ कर उसके बारे में सोचिये मत बाहर निकलिए और व्यस्त हो जाइये।

-डेल कार्नेगी

सचान के प्लॉट व कैबिनेट पद पर कब चलेगा... 7 | बीजेपी जो न करवाए, उद्धव से... 3 | संघर्ष करने वाले नेताओं को बढ़ाएगी... 2

आज विधानसभा स्थगित पर कल हो सकता है हंगामा

सीएम योगी व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश ने दिवंगत सदस्यों को दी श्रद्धांजलि

» कार्यवाही बुधवार को सुबह 11 बजे शुरू होगी

» कल पेश होगा बजट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई। सत्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने सदन के दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी विधानसभा के अध्यक्ष व पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे केसरी नाथ त्रिपाठी के राजनीति में योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। विधान सभा में अपना दल एस के मौजूदा विधायक दिवंगत राहुल प्रकाश कोल समेत कुल 14 दिवंगत पूर्व विधायकों को श्रद्धांजलि दी गई।

इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही बुधवार को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। विधानमंडल के सभी सदस्यों को सदन में सारगर्भित चर्चा कर समस्याओं के समाधान और क्षेत्र के विकास के लिए सहयोग देना चाहिए। सत्र के दौरान जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र से संबंधित मुद्दों को सदन के पटल पर रखने और प्रदेश सरकार का ध्यान उन मुद्दों की ओर आकर्षित करने का अवसर मिलेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ और सुरेश खन्ना एक साथ बैठे थे। विपक्षी विधायकों ने लगातार हंगामा जारी रखा। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा विधायक मुंह से शंख जैसी ध्वनि निकालने लगे। उन्हें ऐसा करता देख सीएम योगी आदित्यनाथ और सुरेश खन्ना मुस्कुराते दिखे।

विपक्ष ने कसी कमर

प्रदेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी सपा ने पहले दिन तो सरकार को सदन से लेकर सड़क तक घेरा ही था। दूसरे दिन भी संक्षिप्त कार्यवाही के दौरान विपक्ष ने सरकार पर हमला जारी रखा। सपा कल अपना तेवर और कड़ा करेगी। कल योगी सरकार का बजट पेश होगा। हालांकि सपा, कांग्रेस व अन्य दल सरकार को कानपुर कांड, इंवेस्टर्स मीट, कानून व्यवस्था पर सरकार को घेरने की तैयारी कर चुकी है। कल से सदन के हंगामेदार होने के आसार हैं।

बजट में 2024 को साधने की होगी कोशिश

योगी सरकार 22 फरवरी यानी कल यूपी का बजट पेश करेगी। इसे यूपी के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा बजट बताया जा रहा है। करीब 7 लाख करोड़ के बजट में सरकार की कोशिश हर वर्ग को खुश करने की है। वजह है कि आगामी निकाय चुनाव और फिर 2024 में लोकसभा चुनाव। किसान, युवा और उद्योग पर बजट पर सरकार बड़े ऐलान कर सकती है। पश्चिम यूपी में लगातार विरोध प्रदर्शन को देखते हुए गन्ना किसानों के लिए बजट में फोकस रहने की पूरी उम्मीद है। इसके अलावा एमएसएमई सेक्टर, पर्यटन के विकास पर फोकस रहेगा। एक्सप्रेस-वे और मेट्रो सेवा निर्माण को लेकर अलग से बजट जारी किया जा सकता है। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के उद्यमियों के लिए बजट में खास व्यवस्था की गई है।

उद्धव की याचिका सुप्रीम कोर्ट में स्वीकार

» बुधवार को होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर सुनवाई के लिए राजी हो गया है। इसको लेकर बुधवार दोपहर साढ़े 3 बजे सुनवाई होगी। शिवसेना का नाम और चुनाव चिह्न तीर-कमान की लड़ाई अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। उद्धव ठाकरे गुट ने चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। बता दें कि उद्धव गुट ने चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी है।

दरअसल, चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना माना है। आयोग ने शिंदे गुट को चुनाव चिह्न तीर-कमान के इस्तेमाल की इजाजत दे दी है। उधर, उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग के फैसले को रद्द करने की मांग की है।

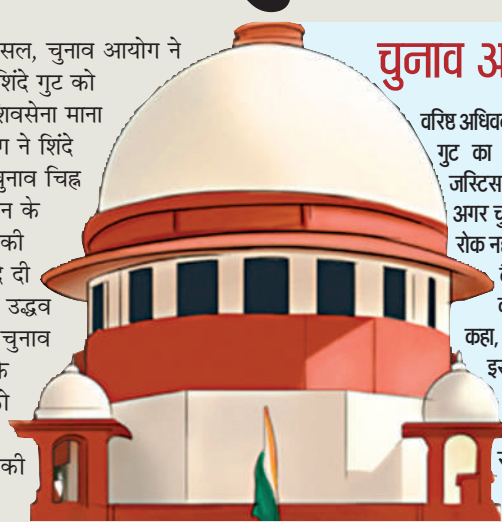

चुनाव आयोग के आदेश पर रोक की मांग

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने उद्धव गुट का पक्ष रखा। उन्होंने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ से कहा कि अगर चुनाव आयोग के आदेश पर रोक नहीं लगाई गई तो वे सब कुछ बैंक खाते वगैरह अपने कब्जे में ले लेंगे। सिब्बल ने कहा, मेरा एक ही अनुरोध है कि इस मामले को कल सुबह संविधान पीठ के सामने उठाएं। इससे पहले, सोमवार को उद्धव गुट ने याचिका का जिक्र करते हुए जल्द सुनवाई की मांग की थी। हालांकि कोर्ट ने कहा कि मेंशनिंग सूची से बाहर के किसी केस पर विचार नहीं किया जाएगा। उद्धव गुट की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ के समक्ष मामले का जिक्र किया। सिंघवी ने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण और अर्जेंट मामला है, लेकिन प्रधान न्यायाधीश ने मामले पर विचार से इन्कार करते हुए कहा कि पहले आप मामले को मंगलवार की मेंशनिंग सूची में शामिल कराएं। इस सूची से बाहर कोई मेंशनिंग नहीं होगी।

संघर्ष करने वाले नेताओं को बढ़ाएगी सपा

» नए रुप में होंगे प्रदेश कार्यकारिणी और फ्रंटल संगठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा उन नेताओं को आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है जो निरंतर संघर्षशील रहकर पार्टी को मजबूती देने की कोशिश करते रहे हैं। सपा की प्रदेश कार्यकारिणी और फ्रंटल संगठनों का कलेवर बदलेगा। कार्यकारिणी में सदस्यों की संख्या भी बढ़ेगी। पार्टी की नीतियों को लेकर निरंतर संघर्षशील रहने वाले नेताओं को अहम जिम्मेदारी दी जाएगी। तो फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारियों की जिम्मेदारी में बदलाव की भी तैयारी है। इसे लेकर दो दौर की कसरत हो चुकी हैं। कुछ नए नामों पर विचार किया जा रहा है।

सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भले ही कोई खास बदलाव नहीं किया गया लेकिन प्रदेश कार्यकारिणी में बदलाव दिखेगा। इसमें राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव की भी छाप नजर आएगी। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले कुछ लोगों को भी प्रदेश कार्यकारिणी में जगह मिलनी है। संबंधित नाम पर विचार-विमर्श चल रहा है। पिछली प्रदेश कार्यकारिणी में प्रमुख महासचिव के अलावा दो महासचिव बनाए गए थे। इस बार पांच महासचिव पर विचार चल रहा है। इसी तरह सचिव पद भी बढ़ सकता है। पार्टी में बसपा से नाता तोड़कर आने वाले नेताओं को समायोजित किया जाएगा।

दलित नेताओं को सौंपी जाएगी जिम्मेदारी

अंबेडकर वाहिनी में उन दलित नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, जो दलितों के बीच में प्रभावी तरीके से अपनी बात रख सकें। सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल का कहना है कि संघर्षशील नेताओं को अहम जिम्मेदारी दी जाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष के अनुमोदन के बाद जल्द ही कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी। इसमें हर वर्ग और हर क्षेत्र के लोगों की भागीदारी रहेगी। राष्ट्रीय और प्रदेश के फ्रंटल संगठनों में खासतौर से बदलाव दिखेगा। इस बार अलग-अलग संगठन में पश्चिम, पूरब, मध्य और बुंदेलखंड के नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। महिला सभा प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी वाराणसी की रीबू श्रीवास्तव को दी जा चुकी है। ऐसे में पूर्वांचल से बस्ती, देवरिया या गोरखपुर के नेता को किसी फ्रंटल संगठन की जिम्मेदारी देने पर विचार चल रहा है। युवजन सभा, छात्रसभा, यूथ ब्रिगेड, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्षों में कुछ की जिम्मेदारी बदलेगी। कुछ पर पार्टी दोबारा दांव लगाएगी। सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अनुभवी और लगातार पार्टी में सक्रिय रहने वाले युवा नेताओं को फ्रंटल संगठनों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। जिससे वे चुनाव के दौरान पुराने व नए नेताओं को जोड़ सकें।

जातीय व्यवस्था पर भी रहेगी नजर

इसमें जातीय जनाधार का भी ध्यान रखा जा रहा है। कानपुर क्षेत्र से ब्राह्मण नेता को अहम जिम्मेदारी मिलेगी तो बुंदेलखंड से पटेल बिरादरी पर दांव लगाया जाएगा। फ्रंटल में एक संगठन की कमान ठाकुर बिरादरी को सौंपी जाएगी ताकि जातीय गणित दुरुस्त रहे। इसी तरह अल्पसंख्यक सभा का राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी इकबाल कादरी को बनाया गया है। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष पद पर इस बार बदलाव होना तय है।

केशव से हमें नहीं चाहिए प्रमाण पत्र : स्वामी प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने ट्वीट करके केशव मौर्या पर हमला बोला है। उन्होंने लिखा कि पूरे देश को दंगों की भेंट कौन चढ़ाता था सब जानते हैं, सरकार में रहते गोरखपुर, फूलपुर लोकसभा भी हारे थे, अभी-अभी सिराथू भी हारे। हाल के यूपी के तीन उप चुनाव में दो में बुरी तरह हारे, एक कैसे जीते जगजाहिर है। स्टूल वाले केशव प्रसाद मौर्य हमें देश बेचने वालों से प्रमाण पत्र नहीं चाहिए। दरअसल, केशव ने सोमवार सुबह एक ट्वीट किया, जिसमें लिखा कि सपा मुद्दा विहीन पार्टी है, इसके नेता माहौल खराब करने की असफल कोशिश कर रहे हैं, सपा की गुंडागर्दी, जातिवाद, अपराधियों, दंगाइयों का साथ जगजाहिर है।

सपा डूबता जहाज है, जनता ने चार चुनावों में हराकर समझाया कि सुधर जाओ, परंतु इस पार्टी ने इतिहास के पन्नों में दर्ज होना तय कर लिया है। वहीं, स्वामी प्रसाद मौर्य ने विधान भवन में पत्रकारों द्वारा धार्मिक मुद्दों पर बहस न करने के पार्टी के फैसले के बारे में पूछे जाने पर कहा कि पहली बात तो यह कि देश की महिलाओं, आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों को अपमान से बचाना, सम्मान दिलाना यह धार्मिक मुद्दा नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि जो बात बहुत पहले बीत गई, अब उसे फिर से उछालने का कोई मतलब नहीं है।

लोगों की आवाज में सरकार को हिलाने की ताकत : फारूक

» सेना की संख्या कम या ज्यादा करना सरकार का विशेषाधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

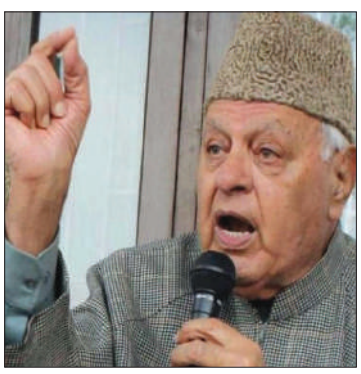

जम्मू कश्मीर। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष एवं सांसद फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर में सेना की संख्या कम या ज्यादा करना सरकार का विशेषाधिकार है। सांसद अब्दुल्ला ने एक मीडिया रिपोर्ट से जुड़े सवालों के जवाब में ऐसा कहा। साथ ही फारूक अब्दुल्ला ने प्रदेश में अतिक्रमण हटाओ अभियान के कथित तौर पर रोके जाने के फैसले पर कहा कि ऐसा लोगों के विरोध के चलते हुआ है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सरकार चरणबद्ध तरीके से कश्मीर में भीतरी इलाकों से सेना को वापस लाने पर विचार कर रही है। इस पर जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,यह सरकार का मामला है। वे कितना घटाएंगे या बढ़ाएंगे यह उनका विशेषाधिकार है। इसमें और मुझे कुछ नहीं कहना है। वहीं, जम्मू कश्मीर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के कथित रोकने फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि ये लोगों के विरोध के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा यह लोगों द्वारा आवाज उठाने के कारण हुआ है। अगर लोगों ने आवाज न उठाई होती तो वे (सरकार) अभियान तेज कर देते। लोगों को याद रखना चाहिए कि उनके पास सरकार को हिला देने की ताकत है।

पूर्व सीएम ने कहा कि राज्य में चुनाव जल्द होने चाहिए। चुनाव आयोग को इस और ध्यान देना चाहिए। सरकार को भी तेजी के साथ तैयारी करनी चाहिए।

पवन खेड़ा की विवादित टिप्पणी को देश न भूलेगा और न माफ करेगा : हिमंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा द्वारा कथित तौर पर पीएम मोदी के पिता पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भाजपा उन पर हमलावर है। भाजपा नेताओं ने पवन खेड़ा और कांग्रेस पर चौतरफा हमला शुरू कर दिया है। पहले अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधा, तो वहीं अब असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता को करारा जवाब दिया है।

उन्होंने ट्विटर पर लिखा, कोई गलती न करें- पीएम के पिता पर पवन खेड़ा की निराशाजनक टिप्पणी को कांग्रेस के शीर्ष स्तर का आशीर्वाद प्राप्त है। वह एक विनम्र मूल के व्यक्ति के पीएम होने के खिलाफ तिरस्कार से भरे हैं। कांग्रेसियों की इन शर्मनाक टिप्पणियों को भारत न तो भूलेगा और न ही माफ करेगा। बता दें कि पवन खेड़ा ने 17 फरवरी को एक प्रेस वार्ता में पीएम मोदी के पिता पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। खेड़ा ने कहा था कि हिंडनबर्ग-अदाणी मसले पर जेपीसी का गठन करने में नरेन्द्र गौतमदास मोदी को समस्या क्या है।

पवन खेड़ा के खिलाफ लखनऊ में मुकदमा दर्ज

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता का जान बूझकर मजाक उड़ाने के आरोप में कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ यहां प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने एक भाजपा नेता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि हजरतगंज पुलिस थाने में सोमवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 153-ए, 500, 504 और 505 (2) के तहत खेड़ा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

बाद में उन्होंने कहा कि क्षमा करें ...नरेन्द्र दामोदरदास मोदी। खेड़ा ने बाद में ट्वीट कर कहा कि वह भ्रमित हो गए थे, लेकिन साथ ही कहा कि नाम दामोदरदास है, लेकिन कर्म गौतमदास के हैं।

बीजेपी और कांग्रेस हैं चोर : अभिषेक बनर्जी

» ममता सरकार की विकास प्रक्रिया को पटरी से उतारने की हो रही साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा है कि बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही चोर हैं। सागरदीघी में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार देवाशीष बनर्जी के लिए अभिषेक बनर्जी ने जनसभा की। सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार की गई विकास प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए कांग्रेस, माकपा और भाजपा ने हाथ मिला लिया है।

बनर्जी ने मुर्शिदाबाद के सागरदिघी में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता केंद्र सरकार के राज्य के प्रति भेदभाव के खिलाफ कभी नहीं बोलते हैं। मुर्शिदाबाद के सागरदिघी में 27 फरवरी को उपचुनाव होना है। सूत्रों ने बताया कि मुर्शिदाबाद की सीट सागरदीघी से सुब्रत साहा तणमूल के विधायक थे। डिसंबर 2022 में सुब्रत साहा का निधन हो गया था। उनके निधन के कारण उपचुनाव हो रहे हैं। अभिषेक ने कहा कि विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी टीएमसी नेताओं को केंद्रीय एजेंसियों की ओर से छापे मारने की धमकी देते रहते हैं।

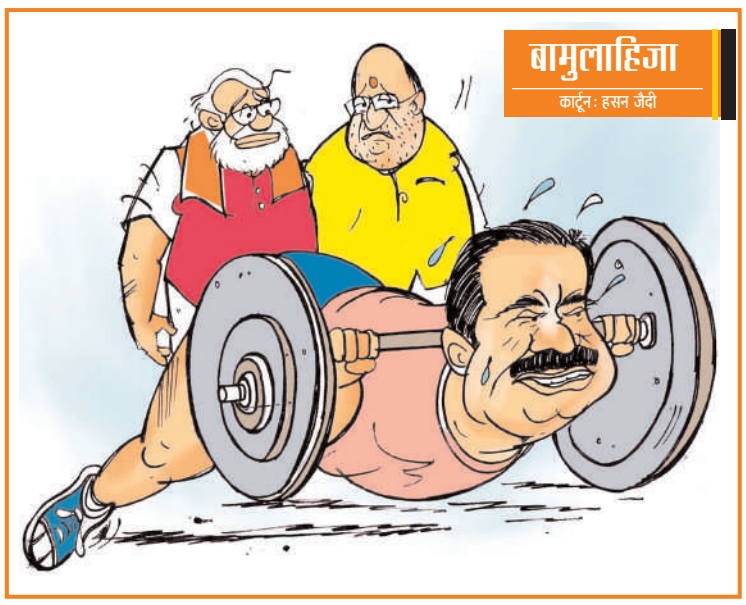

बीजेपी जो न करवाए, उद्धव से लेकर उपेन्द्र तक हलकान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के दो राज्यों में दो राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से डेवलप हुए। पहली राजनीतिक खबर पश्चिमी राज्य महाराष्ट्र से आई। इसमें ठाकरे गुट की शिव सेना को चुनाव आयोग ने तगड़ा झटका देते हुए उसके सिंबल को एकनाथ शिंदे को दे दिया। अब पूरी तरह से शिवसेना के चुनाव चिन्ह धनुष बाण पर शिंदे गुट का कब्जा गया है। साथ विधान भवन में जो कार्यालय शिवसेना को एलॉट था वही अब शिंदे गुट को मिल गया है।

दूसरी खबर पूर्वी राज्य बिहार से जुड़ी है। यहां पिछले कई महीनों से जदयू के वरिष्ठ नेता उपेन्द्र कुशवाहा अपने ही प्रमुख नीतीश कुमार के खिलाफ जुबानी जंग में तेजी दिखा रहे थे। अंतत: उन्होंने पार्टी बनाकर नीतीश कुमार से पल्ला झाड़ लिया। सबसे बड़ी बात दोनों ही खबरों की मूल में भाजपा है। ठाकरे की शिवसेना ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि उसने पूरी शिवसेना का सबकुछ चोरी कर लिया है। वहीं बिहार में कुशवाहा के फैसले के पीछे बीजेपी का हाथ होने की बात कही जा रही है।

ठाकरे नाम कोई नहीं छीन सकता : उद्धव

उद्धव ठाकरे ने साफ तौर पर कहा कि अगर यह (महाराष्ट्र में मौजूदा परिदृश्य) नहीं रोका गया तो 2024 का लोकसभा चुनाव देश का आखिरी चुनाव साबित हो सकता है क्योंकि इसके बाद यहां अराजकता शुरू हो जाएगी। शिवसेना मामले पर उद्धव ठाकरे का बड़ा बयान आया है। उन्होंने भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा भले ही हम से सब कुछ छीन लिया हो लेकिन ठाकरे नाम कोई नहीं छीन सकता है। बाला साहब ठाकरे के पुत्र के तौर पर किसी को यह सौभाग्य नहीं मिल सकता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि शिव-धनुष को रावण धारण नहीं कर सकता है। सुपारी देकर शिवसेना को खत्म करने की कोशिश हुई है। भाजपा के तलवे चाटने के लिए शिवसेना नहीं है। हालांकि, उन्होंने इस बात को भी स्वीकार किया कि उनके लिए यह वक्त सबसे कठिन है। भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि अगर वह 2024 में जीते तो देश में तानाशाही और बढ़ेगी। उद्धव ठाकरे ने साफ तौर पर कहा कि अगर यह (महाराष्ट्र में मौजूदा परिदृश्य) नहीं रोका गया तो 2024 का लोकसभा चुनाव देश का आखिरी चुनाव साबित हो सकता है क्योंकि इसके बाद यहां अराजकता शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मैंने चुनाव आयोग से गुहार लगाई थी कि सुप्रीम कोर्ट में निलंबित विधायकों का मामला है और जब तक फैसला नहीं आ जाता, अपना फैसला मत सुनाइए। पूर्व सीएम ने कहा कि मेरा सब कुछ छीन गया है। हमारी पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह छीन गया है लेकिन ठाकरे नाम छीन नहीं सकता। चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ हमने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, कल से सुनवाई शुरू होगी। उद्धव ठाकरे ने कहा कि चुनाव आयोग का सिर्फ पार्टियों के सिंबल पर नियंत्रण है... ईसी पैनल भंग किया जाए, मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। मुझे शरद पवार, नीतीश कुमार और ममता बनर्जी के फोन आए। उद्धव ठाकरे गुट के वकील ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को पार्टी का नाम शिवसेना और चुनाव चिन्ह धनुष और तीर आवंटित करने के चुनाव आयोग के कदम को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिका का उल्लेख किया। सुप्रीम कोर्ट ने वकील से कल इसका जिक्र करने को कहा। उद्धव ठाकरे ने याचिका में कहा है कि चुनाव आयोग यह विचार करने में विफल रहा है कि विधान परिषद और राज्यसभा में उनके पास बहुमत है।

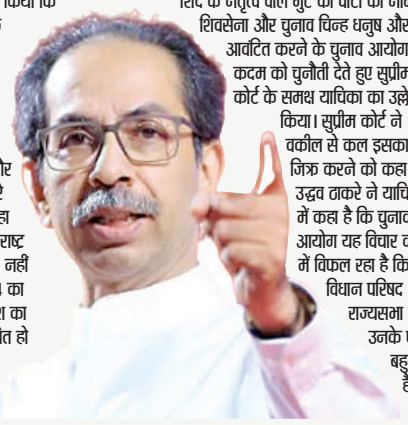

कुशवाहा ने बनाई नई पार्टी

बोले–गलत रास्ते पर नीतीश कुमार

उपेंद्र कुशवाहा ने पूरी तरीके से अपना रास्ता जदयू से अलग कर लिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जदयू में आज बहुत बेचैनी है। मैं 2 साल पहले जदयू में आया था लेकिन अब नई राजनीतिक पारी शुरू कर रहा हूं। 2005 से नीतीश कुमार राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे थे। बिहार में राजनीतिक पारा जबरदस्त तरीके से गर्म है। 2 साल पहले नीतीश कुमार के साथ आने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा अब बिहार के मुख्यमंत्री पर ही जबरदस्त तरीके से निशाना साध रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने तो साफ तौर पर कह दिया है कि आज से बाहर नई पारी की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गलत रास्ते पर हैं। कुशवाहा ने कहा कि हमने नीतीश कुमार के लिए सब कुछ दांव पर लगाया। लेकिन वह गलत रास्ते पर हैं। नए गठबंधन की बात भी हमने स्वीकार की। लेकिन गठबंधन में बाद में डील की बात आने लगी। मैंने नीतीश कुमार के ही पास नेतृत्व रखने की बात कही थी। उपेंद्र कुशवाहा ने पूरी तरीके से अपना रास्ता जदयू से अलग कर लिया है। जद (यू) के राष्ट्रीय संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार के मुख्यमंत्री और पार्टी नेता नीतीश कुमार के साथ कई दिनों तक चली अनबन के बाद एक नई पार्टी - राष्ट्रीय लोक जनता दल - की शुरुआत की। जदयू में आज बहुत बेचैनी है। मैं 2 साल पहले जदयू में आया था लेकिन अब नई राजनीतिक पारी शुरू कर रहा हूं।

2005 से नीतीश कुमार राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे थे। उन्होंने अपने शासन में अच्छा काम भी किया। लेकिन उन्होंने अंत बुरा कर दिया। अगर अंत में भला नहीं हुआ तो सब बुरा ही रहा। उपेंद्र कुशवाहा ने यह भी कहा है कि नीतीश ने अपने शासन में अच्छा काम किया। बिहार के खौफनाक मंजर को खत्म किया। लोगों में अमन शांति कायम हुई। लेकिन अब वह स्थिति बदलने लगी हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सीएम अपनी मनमर्जी नहीं कर रहे हैं, वे अब अपने आसपास के लोगों के सुझाव के अनुसार काम कर रहे हैं। वह आज अपने दम पर कार्रवाई करने में असमर्थ हैं क्योंकि उन्होंने कभी उत्तराधिकारी बनाने का प्रयास नहीं किया...अगर नीतीश कुमार ने उत्तराधिकारी चुना होता, तो उन्हें एक के लिए पड़ोसियों की ओर देखने की जरूरत नहीं होती। आज उपेंद्र कुशवाहा की बैठक में नई पार्टी के गठन का राजनीतिक प्रस्ताव लाया गया है जो पारित हो गया है।

इतना ही नहीं, प्रस्ताव में उपेंद्र कुशवाहा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की भी बात कही गई है। पार्टी का नाम, झंडा और कई जिम्मेदारियों के लिए भी उन्हें अधिकृत किया गया है। इस बैठक में कुशवाहा समाज की भागीदारी खूब दिखी। नीतीश कुमार और उपेंद्र कुशवाहा के लिए समय-समय पर टकराव होती रही है। 2020 के विधानसभा चुनाव में अलग गठबंधन में चुनाव लड़ने वाले उपेंद्र कुशवाहा ने बाद में जदयू में शामिल होना बेहतर समझा।

शिंदे गुट ने विधानभवन सेना कार्यालय पर जमाया कब्जा

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के साथ शिवसेना के विधायक विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से मिलने वाले थे। बैठक का एजेंडा स्पीकर से शिवसेना के विधान भवन विधायी कार्यालय को सौंपने के लिए कहना था। महाराष्ट्र, में उद्धव-खेमे को एक और झटका देते हुए विधान भवन स्थित शिवसेना पार्टी का विधान कार्यालय 20 फरवरी को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के धड़े को सौंप दिया गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के साथ शिवसेना के विधायक आज विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से मिलने वाले थे। बैठक का एजेंडा स्पीकर से शिवसेना के विधान भवन विधायी कार्यालय को सौंपने के लिए कहना था। उधर निर्वाचन आयोग के फैसले के खिलाफ ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। निर्वाचन आयोग ने शिंदे गुट को वास्तविक शिवसेना के तौर पर मान्यता देते हुए पार्टी का चुनाव निशान 'धनुष बाण' को भी उसे आवंटित कर दिया था।

रेड से बनेंगे चुनावी वोट! 8 साल में इडी के 3 हजार छापे

- **यूपीए काल में सिर्फ 112 बार छापेमारी**
- **95 फीसदी छापे केवल विपक्ष के नेताओं पर मारे गए : कांग्रेस**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार में चाहे यूपीए रही हो या एनडीए। सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल कर विपक्ष को डराने में कोई भी पीछे नहीं रहता है। ये अलग बात है ज्यादा उसका प्रयोग किसने किया है ये अपने-अपने दावे हैं। सीबीआई, आइटी या इडी सत्ता पक्ष के सबसे बड़े चाबुक हैं। जिनको चला कर विपक्ष को रोकने की कोशिश की जाती है। हालांकि नेता एक दूसरे को कोसते है फिर इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाकर बार-बार कहते हैं कि सत्ता दल उन्हें परेशान कर रहा हैं। कभी-कभी जनता उनके साथ खड़ी हो जाती है और इन दलों को चुनाव में लाभ हो जाता है।

सोमवार को छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाले को लेकर ईडी की कांग्रेस नेताओं के ठिकानों पर हुई छापेमारी पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस के 85वें अधिवेशन से पहले नेताओं पर हुई ईडी की छापेमारी प्रतिशोध और उत्पीड़न की राजनीति की मिसाल है। वहीं, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि 2004 से लेकर 2014 के बीच यूपीए की सरकार के दौरान ईडी ने 112 बार छापेमारी की, जबकि पिछले 8 साल के दौरान 3010 बार छापेमारी की गई है। पवन खेड़ा ने कहा कि सिर्फ राजनीतिक दलों की बात करें तो 95 फीसदी छापे केवल विपक्ष के नेताओं पर मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से से पूछताछ की गई। अब हमारा अधिवेशन होने वाला है तो छत्तीसगढ़ में छापेमारी शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि अब ईडी का मतलब इलीमिनेटिंग डेमोक्रेसी (लोकतंत्र को खत्म कर रही) हो गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने परिभाषाएं और परंपराएं बदल दी हैं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने 2014 से विपक्षी पार्टियों पर हुई ईडी की छापेमारी के आंकड़े रखते हुए कहा कि कांग्रेस पर 24, टीएमसी पर 19, एनसीपी पर 11, शिवसेना पर 8, डीएमके पर 6, आरजेडी पर 5, बीएसपी पर 5, पीडीपी पर 5, आईएनएलडी पर 3, वाईएसआरसीपी पर 2, सीपीएम पर 2, नेशनल कॉन्फ्रेंस पर 2, पीडीपी पर 2, एआईएडीएमके पर 1, एमएनस पर 1 और एसबीएसपी पर 1 बार छापेमारी की गई है । उन्होंने छत्तीसगढ़ में जिन नेताओं पर ईडी की छापेमारी हुई उनके नाम भी सबके सामने रखे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं रामगोपाल अग्रवाल, देवेंद्र यादव, गिरीश देवांगन, आरपी सिंह, विनोद तिवारी और सनी अग्रवाल पर ईडी की छापेमारी हुई। इसके साथ ही पवन खेड़ा ने कहा कि हमारी शराफत को हमारी कमजोरी मत मानो, हमारा गहना है, उन्होंने कहा कि हम भी जब सत्ता में आएंगे तो काफी कुछ दिखा सकते हैं। पवन खेड़ा ने ईडी की छापेमारी पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ भी बीजेपी खूब पेपर लहराती थी, लेकिन आज वो फेयर एंड लवली बन के निकले हुए हैं, पश्चिम बंगाल के शुभेंदु अधिकारी, कर्नाटक के बीएस येदियुरप्पा, रेड्डी ब्रदर्स, नारायण राणे, मुकुल रॉय जैसे नामों की लिस्ट है। उन्होंने कहा कि मीडिया कुछ छापता है, तो उस पर छापा, विपक्ष संसद में सवाल पूछे तो बयान हटा देते हैं, न्यायपालिका पर कानून मंत्री खुलेआम टिप्पणी करते हैं।

ईडी निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रहा : जयराम

जयराम रमेश ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ में विपक्ष के खिलाफ एक हथियार बन गया है। उन्होंने कहा कि ईडी निष्पक्ष तरीके से काम नहीं रहा है, वहीं, इस मामले पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पिछले 9 सालों में श्वेत ने जो रेड की हैं, उसमें 95 प्रतिशत विपक्षी नेता हैं और सबसे ज्यादा कांग्रेस नेताओं के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि रायपुर में कांग्रेस महाधिवेशन के पहले मोदी सरकार की ओर से ईडी का दुरुपयोग कर छत्तीसगढ़ के हमारे कांग्रेस नेताओं पर छापा मारना बीजेपी की कायरता को दर्शाता है। कायराना धमकियों से डरने वाले नहीं हैं, उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा की अपार सफलता से बीजेपी की बेचैनी दिखने लगी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी में जरा भी ईमानदारी है तो अपने परम मित्र के महाघोटालों पर रेड करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को कुचलने के इस प्रयास का हम डट कर सामना करेंगे।

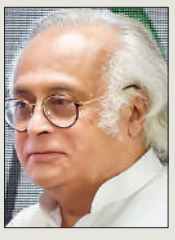

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्यार के बाद कत्ल आखिर कब रूकेगा

झारखंड के साहिबगंज में 22 साल की रूबिका पहाड़िन की उसके ही पति दिलदार ने हत्या कर शव के 12 टुकड़े किए थे और इन शवों को अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया था। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दिलदार ने रूबिका के साथ लव मैरिज की थी और सात जन्म तक साथ रहने का जो वचन दिया था उस वचन के कई टुकड़े कर दिए थे। निक्की यादव हत्याकांड में साहिल गहलोत नामक आरोपी ने पूर्व प्रेमिका की कार में गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को अपने ढावे लेकर पहुंचा और उसे फ्रिज में छिपा दिया।

पिछले कुछ सालों में प्यार में कत्ल की खबरे आना आम हो गई हैं। अभी ताजा मामला निक्की यादव मर्डर केस है। जिसमें प्रेमी ने अपने परिवार के साथ मिलकर ही अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। इससे पहले भी कई घटनाएं घटित हुई। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योकि अब रिश्तों में भावनाओं की जगह नही रह गई। लोगों में धैर्य की कमी होती जा रही है। जरा-जरा सी बात पर युवक या युवतियां एक दूसरे पर भड़क जा रहे है। कभी-कभी बात इतनी बढ़ जाती है कि एक दूसरे का कत्ल भी करने से गुरेज नही करते हैं। हालांकि इस तरह की घटनाओं को रोकने की जिम्मेदारी समाज व परिवार दोनो पर है। समाज को ऐसा माहौल बनाने की जरूरत है प्रेम करनेवाले अपनी मर्यादा का पालन करें। परिवार के बूढ़े-बुर्जुगों का दायित्व है अपने युवी पीढ़ी को ऐसी सीख दे की उन्हें महिलाओं व युवतियों का सम्मान करना चाहिए। समय-समय पर परिवार के लोगों अपने यहां के किशोरों व किशोरियों को कांउसिलिंग करते रहना चाहिए ताकि वह भटके न। फरवरी का माह चल रहा है और इस माह को लेकर अलग-अलग किवदंतियां हैं, लेकिन ज़हन में फरवरी सुनते ही प्यार और तकरार वाले दृश्य चलने लगते हैं। प्यार और तकरार से जुड़े हुए वो मामले तो होते ही कभी-कभी वह वहशी रूप अख्तियार कर लेते। लिव-इन पार्टनरों की कारगुजारियां ज्यादा हैरान कर देती हैं।

श्रद्धा वालकर की निर्मम हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं पड़ा था कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसी तरफ के दो और मामले सामने आए। हाल ही में निक्की यादव मर्डर केस को लेकर खूब सुर्खियां बन रही हैं, क्योंकि आरोपित ने अपनी पूर्व प्रेमिका की हत्या करने के बाद दूसरी लड़की के साथ शादी भी कर ली। इससे पहले राजस्थान की राजधानी जयपुर और झारखंड के साहिबगंज से भी मामले सामने आए थे। श्रद्धा वालकर मामला रूह को कंपा देने वाले मामले से कम नहीं था। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि श्रद्धा के लिवइन पार्टनर आफताब ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और शव के 35 टुकड़े कर फ्रिज में रख दिया। इसके बाद महरौली के जंगल में अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया था। इस मामले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। शहर जयपुर में भतीजे ने अपनी ही चाची को मौत के घाट उतार दिया और उसके 8 टुकड़े कर दिए। इसके बाद भतीजे ने दिल्ली-सीकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन अलग-अलग जगहों पर चाची के शरीर के हिस्सों को फेंक दिया। आरोपित इंजीनियर अनुज शर्मा ने चाची की हत्या करने की बात भी स्वीकार की है। ऐसी घटनाएं आगे न हो इसके लिए समाज व नीति नियंताओं को मिलकर सोचने की जरूरत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अनदेखी न हो विभाजित विपक्ष की

विश्वनाथ सचदेव

संसद के दोनों सदनों में हंगामा हुआ था। दोनों जगह विपक्ष अपनी मांगें मनवाने के लिए लगातार शोर करता रहा। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई बहस के दौरान प्रधानमंत्री एक घंटे से अधिक समय तक बोलते रहे थे। उनका भाषण देश ने शोर-शराबे के बावजूद पूरा सुना। बहुत तीखा भाषण था प्रधानमंत्री का। उनका बोलने का अंदाज भी उतना ही तीखा था। उनके इस भाषण में कुछ विशेष नया नहीं था, पर विपक्ष की लगातार नारेबाजी ने स्थिति को कुछ नया अवश्य बना दिया था। स्थिति यह थी कि संसद के टीवी कैमरे सिर्फ प्रधानमंत्री और सत्तारूढ़ दल को ही दिखा रहे थे, विपक्ष का सिर्फ शोर कुछ-कुछ सुनाई दे रहा था। देखना चाहता था कि देश के निर्वाचित सांसद संसद में कैसे व्यवहार कर रहे हैं। संसद की कार्यवाही सीधी दिखाने की व्यवस्था भी इसीलिए की गयी है, ताकि मतदाता उसे देखकर सांसदों के व्यवहार के बारे में अपने विवेक के अनुसार निर्णय कर सके। यह नागरिक का अधिकार भी है। पर उस दिन मैं अपने इस अधिकार से वंचित कर दिया गया था।

नहीं, यह कहीं नहीं कहा गया कि संसद के टीवी के अधिकारियों को किसी ने विपक्ष का चेहरा न दिखाने का निर्देश दिया था, पर सही यह भी है कि सदन के पीठासीन अधिकारी के निर्देश के बिना ऐसा होना भी तो नहीं चाहिए। यह पीठासीन अधिकारी के अधिकार की बात हो सकती है, पर एक नागरिक के नाते मैं तो अपने अधिकार से वंचित हुआ ही! लेकिन क्यों? यही सवाल लोकसभा के अध्यक्ष या राज्यसभा के सभापति द्वारा कार्रवाई से निकाल दिये गये शब्दों के बारे में भी उठ सकता है। लोकसभा में कांग्रेसी नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषणों में से कुछ अंश आपत्तिजनक मानकर कार्रवाई से निकाल दिये गये हैं। ये दोनों इसका विरोध कर रहे हैं, इनका कहना है कि उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं कहा जिसे आपत्तिजनक माना जाये। निश्चित रूप से यह अध्यक्ष या सभापति के अधिकार क्षेत्र में ही आता है कि यदि सदनों में कुछ आपत्तिजनक कहा गया है तो उसे कार्रवाई से हटा दिया जाये। इस हटा दिये गये अंश को मीडिया प्रसारित नहीं कर सकता।

पर टीवी पर संसद की सीधी कार्रवाई दिखाने के इस युग में प्रसारित होने के बाद कुछ कहे-किये को आपत्तिजनक घोषित करके संसद की कार्रवाई से हटा दिये जाने का आखिर क्या अर्थ रह जाता है? क्या इसीलिए

उस दिन नारे लगाते विपक्षी सांसदों का चेहरा टीवी पर नहीं दिखाया गया था कि कुछ तो छिपा रह जाये? सत्तारूढ़ दल और विपक्ष, दोनों, के सांसदों और विधायकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे मर्यादाओं का पालन करेंगे, और ऐसा कुछ नहीं कहेंगे या नहीं करेंगे जिससे संसद या विधानसभा की गरिमा पर आंच आये। सभ्यता का भी यही तकाजा है और संस्कृति का भी। पर हमारी विधायिका के सदस्य आये दिन ऐसा कुछ करते दिखाई देते हैं जो अनुचित लगता है। इस ताजा प्रकरण में ही देखें। सदन में सत्तारूढ़ दल के लोग बेंच थपथपा कर मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे और विपक्ष अडानी-अडानी के नारे लगा रहा था। इस शोर-शराबे के औचित्य पर सवालिया निशान लगना ही चाहिए। हमारे नेताओं को यह समझना होगा कि संसद और सड़क में अंतर होता है। यह सही है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लड़ाई संसद में भी चलती है और सड़क पर भी, पर दोनों जगह, यह अपेक्षा की जाती है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों का व्यवहार मर्यादित रहेगा। दुर्भाग्य से, अक्सर मर्यादा का पालन नहीं होता। यह चिंतनीय विषय है, इस पर चिंता भी होनी चाहिए और चिंतन भी। अक्सर विपक्ष को यह शिकायत रहती है कि उसे अपनी बात रखने का समुचित अवसर नहीं मिलता। और यह शिकायत हमेशा रही है। जब जो विपक्ष में होता है उसे सत्तारूढ़ पक्ष का व्यवहार अनुचित लगता है। सदन में अध्यक्ष या सभापति के आसन के पास आकर नारेबाजी करना या बहिर्गमन कर जाना विपक्ष को विरोध का एक स्वाभाविक तरीका लगता है। संसद के सदनों में जब वर्तमान सत्तारूढ़ पक्ष विपक्ष की भूमिका में था तो उसके नेतृत्व द्वारा यह तर्क दिया गया था कि कार्रवाई न चलने देना भी एक कार्रवाई का ही हिस्सा है। विरोध प्रकट करने का यह भी एक तरीका है।

सत्तारूढ़ पक्ष जब बहुत ताकतवर होता है, जैसा कि अब है, और जैसा राजीव गांधी के जमाने में था, तो विपक्ष अपने को असहाय महसूस करने लगता है। ऐसे में उसे सदन की कार्रवाई में रुकावट डालना भी उचित लगने लगता है। जनतांत्रिक परंपराओं का तकाजा है कि ऐसी स्थिति में सत्तारूढ़ दल थोड़ा उदार बने। विपक्ष को अवसर दे अपनी बात कहने का। पीठासीन अधिकारियों से भी यह अपेक्षा की जाती है कि वे विपक्ष के अधिकारों की रक्षा के प्रति, और उसके कर्तव्य को निभाने में मददगार होने के लिए अतिरिक्त सजगता बरतें।

कम पानी में अधिक लाभदायक उपज

डॉ. शेर सिंह सांगवान

अरंडी फसल का क्षेत्रफल भारत में लगभग 10 लाख हेक्टेयर है और यह इसके वैश्विक क्षेत्र का लगभग 70 प्रतिशत और उत्पादन का 90 प्रतिशत है। ऐसा प्रतीत होता है कि अरंडी का पौधा पूर्वी अफ्रीका में उत्पन्न हुआ था, विशेषकर इथियोपिया के आसपास। अरंडी विभिन्न प्रकार की जलवायु में उगता है, हालांकि गर्म और आर्द्र जलवायु इसके विकास के लिए अधिक उपयुक्त है। भारत, चीन, ब्राजील, पैराग्वे और थाईलैंड जैसे प्रमुख अरंडी उगाने वाले देश हैं। अरंडी के तेल का उपयोग कपड़े धोने के साबुन, लुब्रिकेटिंग ग्रीस, सर्फेक्टेंट, रबर रसायन, नाइलोन, हाइड्रोलिक ब्रेक तरल पदार्थ, पेंट और पॉलिमर, सुगंधित उत्पाद, बायोडीजल आदि बनाने में किया जाता है। अरंडी केक का उपयोग कृषि में जैविक खाद के रूप में भी किया जाता है। इसके व्यापक उपयोगों के कारण; 2021-22 के दौरान, अरंडी के बीज की कीमत 7500 रुपये प्रति क्विंटल हो गई और इसका तेल लगभग 16000 रुपये प्रति क्विंटल बेचा गया था। भारत प्रति वर्ष लगभग 6000 से 8000 करोड़ रुपये के अरंडी के तेल का निर्यात कर रहा है, हालांकि, हम लगभग एक लाख करोड़ रुपये के खाद्य तेलों का आयात कर रहे हैं।

अरंडी एक छोटा पौधा होता है जिसकी ऊंचाई लगभग 1.5 मीटर होती है। इसका फल एक गोलाकार कैप्सूल होता है, जिसमें भूरे रंग के धब्बे वाले छोटे भूरे रंग के बीज होते हैं। अरंडी के बीजों की भारतीय किस्म में 48 प्रतिशत तेल होता है और 42 प्रतिशत तक तेल निकाला जा सकता है, जबकि बाकी इसके केक में बचा रहता है। यह एक बारहमासी फसल है, जिसकी कटाई मार्च से जून तक की जाती है और विभिन्न क्षेत्रों में खरीफ मौसम में जून से अगस्त तक इसकी बुवाई की जाती है। इसकी खेती मुख्य रूप से अर्ध शुष्क क्षेत्रों में वर्षा पर आधारित है। यही कारण है कि अधिकांश क्षेत्रों में इसकी उपज लगभग 8-10 क्विंटल प्रति एकड़ होती है, लेकिन वृद्धि और फलने के समय 3-4 सिंचाई से प्रति एकड़ लगभग 20-25 क्विंटल उपज हो जाती है। भारत में, इसकी खेती मुख्य रूप से गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, उड़ीसा, राजस्थान आदि राज्यों में की जाती है। कुछ प्रगतिशील किसान इसके गैर-पारंपरिक राज्यों जैसे हरियाणा के दक्षिणी जिलों में भी अधिक लाभ के कारण बुआई कर रहे हैं। अरंडी मुख्य उत्पादक राज्यों में फसल का क्षेत्रफल, उत्पादन और उपज इस तरह है। अखिल भारतीय अरंडी फसल क्षेत्र में गुजरात का हिस्सा साल 2005-10 में 47 प्रतिशत से बढ़कर 2018-23 के दौरान लगभग 75 प्रतिशत हो गया है। उपरोक्त अवधि के दौरान राजस्थान ने भी अपना हिस्सा 14 प्रतिशत से बढ़ाकर लगभग 18 प्रतिशत कर लिया है। 2005-10 में 0.2 प्रतिशत से मामूली वृद्धि के साथ 2018-23 में हरियाणा की हिस्सेदारी नगण्य 0.3 है। इस अवधि के दौरान अरंडी बीज की कीमत लगभग ढाई गुना बढ़ गई है जबकि उपज लगभग दोगुनी हो गई थी। जहां तक अरंडी-फसल के अर्थशास्त्र का संबंध है, 2018-19 के एक सर्वेक्षण के अनुसार प्रति एकड़ खेती की औसत परिवर्ती लागत और उपज लगभग 18000 रुपये और 12 क्विंटल प्रति एकड़ है। हरियाणा के रेवाड़ी जिले के कुछ किसानों ने 2019-22 के दौरान 4 सिंचाई से 20 से 24 क्विंटल प्रति एकड़ की उपज दर्ज की। साल 2022-23 में औसत मूल्य 6000 रुपये प्रति क्विंटल लेते हुए, एक एकड़ अरंडी की फसल 120000 रुपये की सकल आय और लगभग 100000 रुपये प्रति एकड़ की शुद्ध आय दे सकती है। दक्षिणी हरियाणा में अरंडी की प्रतिस्पर्धी फसलें खरीफ में बाजरा व कपास और रबी मौसम में गेहूं व सरसों हैं। अरंडी अपनी प्रतिस्पर्धी फसलों की तुलना में 30000 रुपये से 40000 रुपये अधिक आय दे रही थी। इसके अलावा, अरंडी को दो मौसमों में प्रतिस्पर्धी फसलों के लिए लगभग 8 की तुलना में 4 सिंचाई की आवश्यकता होती है। अरंडी के किसानों ने खरीफ मौसम में अंतर-फसल के रूप में पालक, मेथी व तिल भी उगाई है। सवाल उठता है कि प्रतिस्पर्धी फसलों की तुलना में इसकी उच्च शुद्ध आय के बावजूद किसान अरंडी के तहत अधिक रकबा आवंटित क्यों नहीं कर रहे हैं? दरअसल, सबसे पहले, बाजरा और गेहूं की प्रतिस्पर्धी फसलों में एमएसपी और खरीद की व्यवस्था है; जबकि अरंडी के लिए कोई एमएसपी नहीं है और इसके अलावा, इसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय कीमतों से अत्यधिक प्रभावित होती है। कीमत में उच्च परिवर्तन के कारण अरंडी-फसल में मूल्य-जोखिम अधिक होता है।

दूसरे, अरंडी की उपज में उच्च परिवर्तन के कारण उपज-जोखिम 19 प्रतिशत होता है जबकी बाजरा में 12 प्रतिशत, सरसों में 7 प्रतिशत और गेहूं में 4 प्रतिशत होता है। इसके अलावा, मई और जून के गर्म मौसम में कटाई के लिए किसानों को मजदूरों की कमी का सामना करना पड़ता है । वर्षा ऋतु में अरंड के पत्तों पर असामान्य कीट उत्पन्न हो जाते हैं, हालांकि कीड़े हानिकारक नहीं हैं लेकिन किसानों और उनके पड़ोसियों के लिए असामान्य हैं। सर्दियों में पत्तियों पर पाला पड़ने की संभावना अधिक होती है। सही समय पर पानी देने से फसल को पाले से बचाया जा सकता है। इनमें से अधिकांश समस्याएं संक्रमणकालीन हैं लेकिन मुख्य समस्या हरियाणा और पंजाब में फसल के लिए स्थानीय बाजारों की कमी थी। राज्य सरकार 2-3 वर्षों के लिए केंद्र सरकार के समर्थन से 'बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस)' लागू कर सकती है। एरंड के उत्पादन में वृद्धि के बाद, निजी व्यापारी अपने हित में आएंगे। दक्षिण हरियाणा की कम उर्वर भूमि में अरंडी की फसल लाभप्रदता की दृष्टि से मरुस्थल-गन्ना बन सकती है, यदि इसके लिए एमएसपी लागू कर दिया जाए। इसके अलावा, अरंडी की फसलें भूजल का कम उपयोग करके शुष्क क्षेत्रों में कृषि को टिकाऊ बना सकती हैं।

इन बीमारियों का संकेत देती है उबासी

अक्सर थकान महसूस होने या नींद आने पर लोग उबासी लेते हैं. उबासी लेना पूरी तरह से नॉर्मल होता है और हर व्यक्ति दिनभर में 5 से 19 बार उबासी लेता है। हालांकि, स्लीप फाउंडेशन के मुताबिक, ऐसे बहुत से लोग हैं जो दिनभर में 10 बार से ज्यादा उबासी लेते हैं। कुछ स्टडीज के मुताबिक, ऐसे बहुत से लोग हैं जो दिनभर में लगभग 100 बार उबासी लेते हैं। इसका एक कॉमन कारण अपने एक निश्चित समय से पहले जागना है। कई बार जरूरत से ज्यादा उबासी लेना किसी गंभीर बीमारी की ओर भी इशारा करता है। अधिक उबासी आना या बार-बार उबासी आना किसी दवा के साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं। आइए जानते हैं इन सभी के बारे में-

स्लीप एपनिया

स्लीप एपनिया के मरीजों को रात में सोते समय काफी ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जिस कारण रात में उनकी नींद पूरी नहीं हो पाती जिससे वह अगले दिन काफी थके हुए महसूस करते हैं और उन्हें उबासी आती रहती है। इस बीमारी में ब्रीदिंग डिसऑर्डर की समस्या होती है। स्लीप एपनिया में सोते वक्त बार-बार सांस रुकती और चलती है। खतरनाक बात ये है कि इसमें नींद में ही सांस रुक जाती है और व्यक्ति को पता भी नहीं चलता है।

नार्कोलेप्सी

नार्कोलेप्सी नींद से जुड़ी एक प्रकार की समस्या है। जिसमें व्यक्ति कभी भी और कहीं भी अचानक से सो सकता है। इस बीमारी में मरीज को दिनभर में कई बार नींद आती है जिस कारण उन्हें काफी ज्यादा उबासी आती रहती हैं।

डायबिटीज

उबासी आना हाइपोग्लाइसीमिया का शुरुआती संकेत होता है। ब्लड में ग्लूकोज लेवल कम होने से उबासी आनी शुरू हो जाती है।

इंसोमनिया

इंसोमनिया भी नींद से संबंधित एक बीमारी है। इस बीमारी में व्यक्ति को रात में नींद नहीं आती है या अगर एक बार नींद खुल जाए तो दोबारा से सोना उन्हें लिए काफी मुश्किल हो जाता है। रात में नींद पूरी ना होने के कारण लोगों को दिन में काफी ज्यादा नींद आने लगती हैं जिस कारण वह काफी ज्यादा उबासी लेते हैं।

दिल की बीमारी

ज्यादा उबासी आने का एक कनेक्शन वेगस नर्व की वजह से हो सकता है। जो दिमाग से दिल और पेट तक जाती है। कुछ रिसर्च के मुताबिक, ज्यादा उबासी, दिल के आसपास ब्लीडिंग या हार्ट अटैक की संभावना की ओर भी इशारा करती है।

ये हैं ज्यादा उबासी आने के कारण

बहुत ज्यादा उबासी आना कई बार किसी गंभीर बीमारी या असामान्याताओं का संकेत हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि आप इस बारे में सचेत रहें। यह नींद संबंधी बीमारी जैसे ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का संकेत हो सकता है जिससे दिन में अत्यधिक नींद आती है। एक्सपर्ट्स का यह भी कहना है कि बहुत ज्यादा उबासी आना मेटाबॉलिज्म से जुड़ी बीमारियों का भी एक कारण हो सकता है।

नींद पूरी ना होना

अक्सर बहुत से लोगों को दिन के समय में काफी ज्यादा नींद आती है जिस कारण उन्हें काफी ज्यादा उबासी आने की समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसा आमतौर पर तब होता है जब रात के समय में किसी कारणवश आपकी नींद पूरी नहीं हो पाती। रात में नींद पूरी ना होने के कारण आप अगले दिन काफी थका हुआ महसूस करते हैं और उबासी भी ज्यादा आती है।

हंसना मना है

नंबर वाला चश्मा उतारने का घरेलू उपाय... पहले दायें हाथ में दायी डंडी पकड़ें, फिर बायें हाथ में बायी डंडी पकड़ें,धीरे से चश्मा आगे की तरफ खींचें,चश्मा उतर जायेगा।

भाई कितनी भी पढ़ाई कर लो, डिग्री-विग्री ले लो...लेकिन रेस्टोरेंट के दरवाजे पर Push और Pull लिखा देखते हो तो... 2-3 सेकेंड के लिए सोचना जरूर पड़ता है कि दरवाजा धकेलना है कि खींचना है।

मौंटी- अगर कोई गलती हो जाए तो पता है क्या करना चाहिए...शौंटी- क्या...? मौंटी- शांति से बैठकर सोचना चाहिए कि नाम किसका लगाना है...!

छात्र - सर जी...मास्टर - हां बोलो...छात्र - मैंने जो काम नहीं किया क्या आप उसकी सजा मुझे देंगे...? मास्टर - नहीं, बिल्कुल नहीं! बोलो क्या बात है...? छात्र - मैंने आज होमवर्क नहीं किया...!

लड़की- कितना प्यार करते हो मुझसे? टीटू- शाहजहां जैसा, लड़की जिद्द करने लगी, ताजमहल बनवाओ. टीटू- जमीन खरीद ली है, बस तुम्हारे मरने का इंतज़ार कर रहा हूं आस-पास खड़े लड़कों ने ठोका सलाम!

ताऊ अस्पताल गए इलाज करवाने... नर्स- लम्बी सांस लो। ताऊजी ने लंबी सांस ली... नर्स- कैसा महसूस हो रहा है? ताऊजी- कौन सा Perfume लगाकर आई हो, बहुत अच्छा है...।

कहानी — देखो गुस्सा न करना

सूरज और हवा एक दिन अपनी बहादुरी की कहानियां सूना रहे थे। सूरज कहता था कि वह ज्यादा ताकतवर है हवा कहती थी कि वह ज्यादा शक्तिशाली है। दोनों ने तय किया कि वे एक प्रतियोगिया करेंगे। दोनों एक बड़े से मैदान की ओर मुंह करके खड़े हो गए। उन्होंने निश्चय किया कि इस मैदान से होकर जो पहला यात्री जाएगा, उस पर ध्यान देना है। हवा और सूरज में से जो उस यात्री को कपड़े उतरने के लिए मजबूर कर देगा वहीं ज्यादा ताकतवर होगा। तभी उस मैदान में एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। हवा ने कहा कि पहले वह कोशिश करेगी। उसे विश्वास था कि वह जरूर जीतेगी। हवा ने जोर से चलना शुरू किया। उस व्यक्ति के कपड़े उड़ने लगे। उसको चलना मुश्किल होने लगा। लेकिन उसके कपड़े जितना उड़ने की कोशिश करते थे, उतना ही वह उन्हें और कसकर अपने शरीर पर बांध लेता था। यह देखकर हवा को गुस्सा आने लगा। वह इतनी जोर से बही कि तूफान-सा आने लगा। अपनी सुरक्षा के लिए वह व्यक्ति एक कोने में खड़ा हो गया। आखिर हवा थक कर चूर हो गई। लेकिन वह उस व्यक्ति का एक भी कपड़ा नहीं उतरवा पाई। हवा के झोंके रुके तो वह व्यक्ति फिर से आगे बढ़ा। उसे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि अचानक सूरज तेजी से चमकने लगा था और गर्मी बढ़ने लगी थी। बात यह थी कि अब सूरज की बारी थी अपनी कोशिश करने की। सूरज ने न तो गुस्सा किया और न ही ज्यादा ताकत लगाई। बस आराम से चमकता रहा। आखिर उस व्यक्ति को गर्मी लगने लगी। गर्मी से परेशान होकर उसने अपने कपड़े उतारे। पास में ही एक नदी बहती थी। नहाने के लिए वह नदी की ओर चला गया। सूरज जीत गया। हवा समझ गई कि क्रोध करने से कुछ नहीं होता। बीएस शांत रहकर अपना काम करना चाहिए। जो काम शांत स्वभाव वाले कर सकते हैं, वही काम क्रोधी व्यक्ति के लिए कर पाना मुश्किल होता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — मानसिक शान्ति के लिए किसी दान-पुण्य के काम में सहभागिता करें। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर ?यदा दिलायेगा। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा।

वृषभ — प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

मिथुन — आज का दिन शानदार बीतेगा। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की तारीफ कर सकते हैं। आपकी सैलरी में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। आपके अटके हुए काम पूरे हो सकते हैं।

कर्क — आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्ण रहेगा । आज कार्यों में तरक्की बनी रहेगी। साथ ही कोई मांगलिक कार्य भी कर सकते हैं। दोस्तों के साथ बाहर मौसम का लुफ्त उठा सकते हैं।

सिंह — आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएं। जरूरत के वक्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज प्यार की मदहोशी में हकीकत और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे।

कन्या — बड़े बुजुर्गों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। धन लाभ का योग बन रहा है। शत्रु आपको हराने का प्रयास करेंगे, लेकिन आपके सामने अधिक देर तक ठहर नहीं पायेंगे।

तुला — आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप घर और ऑफिस की दुनिया से बाहर निकल कर प्रकृति का आनंद लेगा । पुरानी बहुमूल्य चीजों के मोलभाव पर आज आपको लाभ होगा।

वृश्चिक — घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज़्यादा खर्चा न करें। आपका मूडी रवैया आपके भाई का मिजाज खराब कर सकता है। स्नेह के बंधन को बनाए रखने के लिए आपको परस्पर सम्मान और विश्वास पैदा करने की जरूरत है।

धनु — मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ खुशी के पल बिताएं।

मकर — आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है । आज अपनी सोच को सकारात्मक रखें, नकारात्मक चीज़ों को अपने ऊपर हावी न होने दें। लेकिन आपको अच्छे ऑप्शन देखकर ही कदम आगे बढ़ाना चाहिए।

कुम्भ — निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके मिल सकते हैं। आज नए विचार आपके सामने आते रहेंगे। आज योजना बनाने और फैसला लेने के लिए दिन बहुत अच्छा है।

मीन — आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें। दोस्तों और परिवार के साथ मजेदार समय बीतेगा।

ट्रैफिक पुलिस ने 'शहजादा' को पढ़ाया नियमों का पाठ

बॉलीवुड | मसाला

नियम सबके लिए एक समान हैं चाहे वो अमीर हो या गरीब। फिलहाल कार्तिक आर्यन को ट्रैफिक के नियमों का पालन ना करना काफी महंगा पड़ा है। कार्तिक आर्यन ने अपनी गाड़ी को नियमों के खिलाफ सड़क के गलत साइड पार्क कर दिया। फिर क्या वो ट्रैफिक पुलिस के लपेटे में आ गए और उनका भारी भरकम चालान काटा गया। मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने बाद में ये वीडियो चेतावनी के तौर पर ट्विटर पर भी शेयर कर दिया।

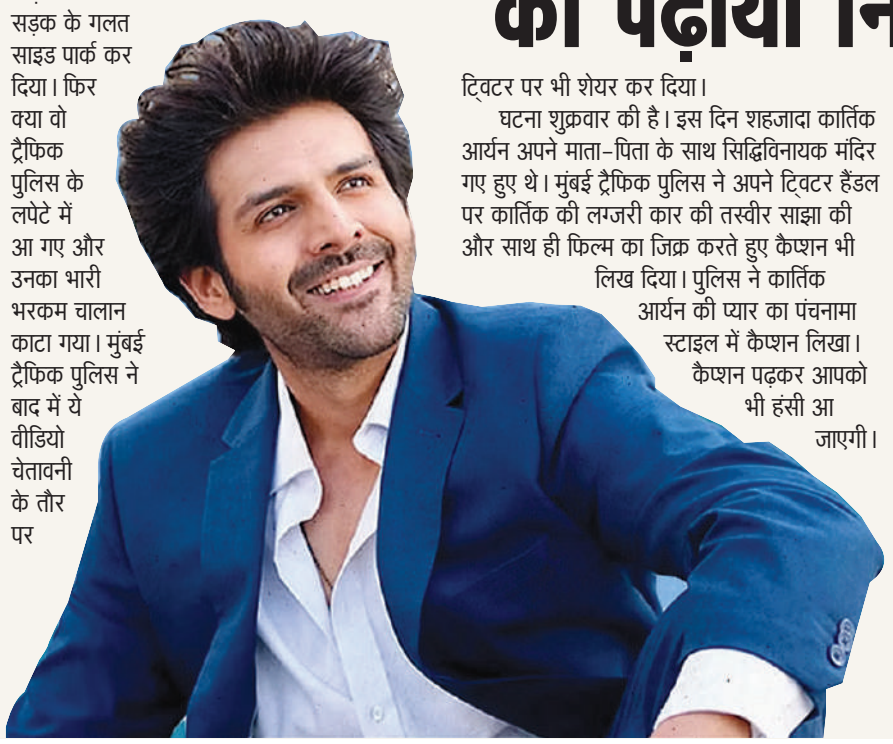

घटना शुक्रवार की है। इस दिन शहजादा कार्तिक आर्यन अपने माता-पिता के साथ सिद्धिविनायक मंदिर गए हुए थे। मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने अपने ट्विटर हैंडल पर कार्तिक की लग्जरी कार की तस्वीर साझा की और साथ ही फिल्म का जिक्र करते हुए कैप्शन भी लिख दिया। पुलिस ने कार्तिक आर्यन की प्यार का पंचनामा स्टाइल में कैप्शन लिखा। कैप्शन पढ़कर आपको भी हंसी आ जाएगी।

मुंबई पुलिस ने किया ट्वीट

मुंबई पुलिस ने ट्वीट किया कि समस्या समस्या ये थी कि गाड़ी गलत साइड में खड़ी थी। यह भूल मत करो कि शहजादा ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ा सकते हैं। कुल मिलाकर ट्रैफिक के नियम तोड़ने पर चालान काटा गया है। फिलहाल चालान राशि किने की है इसका खुलासा नहीं किया गया है। सोशल मीडिया पर कार्तिक आर्यन की गाड़ी की नंबर प्लेट भी धुंधली है।

शहजादा की हुई किरकिरी

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म शहजादा की वजह से चर्चा में बने हुए हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर जितना बज था उससे विपरीत फिल्म को काफी स्लो ओपनिंग मिली है। अल्लू अर्जुन की फिल्म का रीमेक बनाना कार्तिक के करियर के लिए उतना अच्छा साबित नहीं हो सका। बॉक्स ऑफिस पर भी कलेक्शन की रफ्तार काफी धीमी है।

बिना फैक्ट्स के पीरियड फिल्में नहीं बनानी चाहिए : भंसाली

संजय लीला भंसाली ने एक रिसेंट इंटरव्यू में कहा है कि जब कोई फिल्ममेकर पीरियड फिल्में बनाता है तो उसे कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। संजय का कहना है कि ऐसी फिल्में बनाने से पहले फैक्ट्स की जांच करनी चाहिए। संजय के मुताबिक, वो तब तक कोई फिल्म या डॉक्यूमेंट्री नहीं बनाते हैं जब तक कि उन्हें इस बारे में बिल्कुल सटीक जानकारी न हो।

इसके अलावा संजय ने कुछ अफवाहों से भी पर्दा हटाया है। उन्होंने कहा कि ये बातें बिल्कुल गलत हैं कि वो सेट पर एक्टर्स के साथ काफी कड़ा बर्ताव करते हैं। संजय के मुताबिक, ये सभी बातें मीडिया ने फैलाई है।

संजय लीला भंसाली पीरियड फिल्में बनाने के लिए मशहूर हैं, लेकिन पद्मावत की शूटिंग के वक्त उनके साथ करणी सेना के कुछ सदस्यों ने मारपीट कर दी थी। यहां तक कि सेट पर तोड़फोड़ भी किया था। दीपिका पादुकोण को जान से मारने की धमकी मिली थी। इसी संदर्भ में संजय ने कहा है कि फिल्म मेकर्स अगर ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर कोई फिल्म करें तो उन्हें तथ्यों को एक बार अच्छे से समझ और परख लेना चाहिए।

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग वेब सीरीज हीरामंडी के लॉन्च के अवसर पर उनसे पूछा गया कि क्या वो सच में एक्टर्स के साथ कड़ा रवैया अपनाते हैं। इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा, मीडिया ने मेरी ऐसी इमेज बनाई है। वास्तव में ऐसा कुछ नहीं है। मैं कोई टास्क मास्टर नहीं हूं। मैं बस एक्टर्स का दिमाग का यूज करना चाहता हूं। मुझे टास्क मास्टर इसलिए कहते हैं क्योंकि मैं तब तक किसी एक्टर को वैनिटी वैन में नहीं जाने देता जब तक कि उससे बेस्ट शॉट न निकलवा लूं।

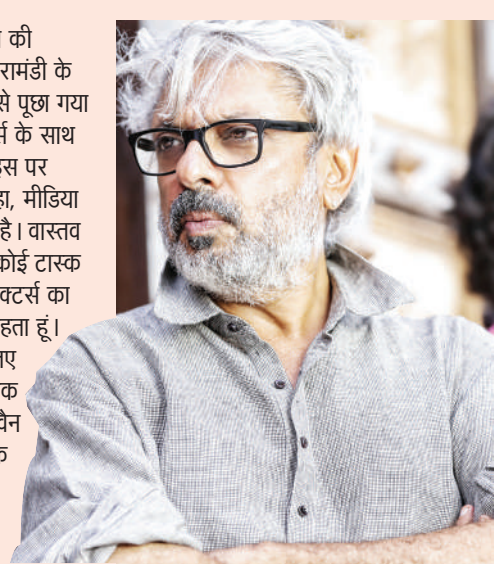

बॉलीवुड | मन की बात

रिफ्यूजी गाने की रिकॉर्डिंग के समय मैं डिप्रेशन में थी: अलका

दिग्गज सिंगर अलका याग्निक 2023 में दुनिया में सबसे ज्यादा स्ट्रीम की जाने वाली आर्टिस्ट बनीं हैं। हाल ही में मीडिया को दिए इंटरव्यू में अलका ने अपने एवरग्रीन गाने ' एक दो तीन' पर बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें ये गाना बिल्कुल पसंद नहीं आया था। साथ ही रिकॉर्डिंग से ठीक एक पहले अलका का गला पूरी तरह से खराब हो गया था। उन्हें आज भी अपने इस गाने में कई कमियां नजर आती हैं। बातचीत के दौरान अलका ने फिल्म तेजाब के गाने 'एक दो तीन' को याद करते हुए कहा- 'यह गाना लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल जी का है। जब मैं उनके पास पहुंची, तो उन्होंने मुझसे कहा- लिखो एक दो तीन चार पांच छह सात' गाने की ये लाइन सुनकर मैं हैरान हो गई। मैंने सोचा कि ये मेरे साथ क्या मजाक कर रहे हैं। लेकिन मैं उनसे कुछ बोल नहीं पाई। मुझे उनसे डर लगता था, तो मैं चुपचाप उनकी बातें सुनती गई।' अलका ने आगे कहा- 'मैंने दूसरी लाइन लिखी, फिर तीसरी लाइन। कुछ लाइनें लिखने के बाद गाने को लेकर मेरा नजरिया बदल गया। मुझे लगा ये गाना तो कमाल का है, बाद में गाना गाकर मुझे मजा आया।' अलका ने आगे कहा- एक दो तीन गाने की रिकॉर्डिंग के दिन मेरी आवाज बंद थी। अब ये गाला पूछकर खराब नहीं होता, अपनी मर्जी से खराब होता है। इसका भी अपना मूड होता है कभी-कभी, कि मुझे आज नहीं गाना।' गाने की रिकॉर्डिंग का किस्सा बताते हुए अलका ने कहा-गाने के लिए लक्ष्मीकांत-प्यारे लाल को 60 लोगों के कोरस की जरूरत थी। रिकॉर्डिंग महबूब स्टूडियो में होने वाली थी, जहां ज्यादा जगह नहीं थी। इसलिए मैंने दीवार से सटकर पूरा गाना रिकॉर्ड किया। अलका ने बताया-'मैं इस गाने को पूरा करने के बाद भी संतुष्ट नहीं थी। मैंने लक्ष्मीकांत जी से रिक्वेस्ट की कि उन्हें फिल्म के गाने को फिर से रिकॉर्ड करने दें, लेकिन वो नहीं माने। मैं आज भी जब ये गाना सुनती हूं, तो उसकी खामियां नजर आती हैं।

अजब-गजब | इस सड़क पर अकेले जाने की नहीं मिलती इजाजत

ये है दुनिया की आखिरी सड़क

आपने शायद ही कभी दुनिया की आखिरी सड़क के बारे में सुना है। आज हम आपको एक ऐसा ही सड़क के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे दुनिया की आखिरी सड़क कहा जाता है। दरअसल, उत्तरी ध्रुव पृथ्वी का सबसे सुदूर बिंदु है जहां पर पृथ्वी की धुरी घूमती है। यह नॉर्वे का आखिरी छोर पर है। यहां से आगे जाने वाले रास्ते को ही दुनिया की आखिरी सड़क माना जाता है। इस सड़क का नाम श्व-69 है, जो पृथ्वी के छोर और नॉर्वे को आपस में जोड़ती है। इस सड़क के आगे कोई अन्य सड़क नहीं है क्योंकि इसके आगे बर्फ के अलावा सिर्फ समुद्र ही समुद्र दिखाई देता है।

बता दें कि ई-69 एक हाइवे है, जिसकी लंबाई करीब 14 किलोमीटर है। इस हाइवे पर ऐसी कई जगहें हैं, जहां अकेले पैदल चलना या गाड़ी चलाना भी मना है। इस सड़क पर अकेले जाना मना है। यहां जाने के लिए आपको कई लोगों के साथ जाने पर अनुमति मिलती है। इसके पीछे वजह ये है कि हर तरफ बर्फ की मोटी चादर बिछी होने के कारण यहां खो जाने का खतरा हमेशा बना रहता है। इसलिए इस सड़क पर किसी को भी अपने नहीं जाने दिया जाता है। उत्तरी ध्रुव के पास होने के कारण यहां सर्दियों के मौसम में न तो रातें खत्म होती हैं और न ही गर्मियों में कभी सूरज डूबता है।

कभी-कभी तो यहां लगभग छह महीने तक

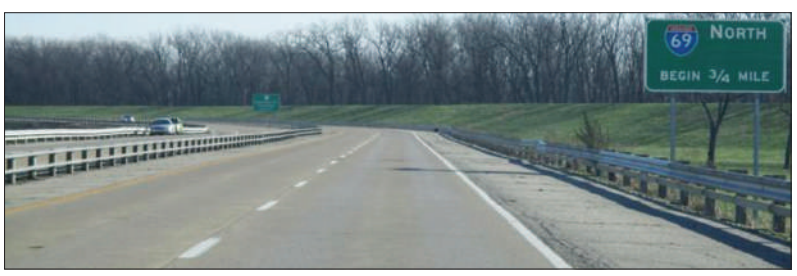

सूरज नहीं दिखाई देता। सर्दियों में यहां का तापमान माइनस 43 डिग्री से माइनस 26 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच जाता है और गर्मियों में यहां का तापमान औसत जमाव बिंदु जीरो डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है।यही नहीं इतना ठंडा होने के बावजूद भी यहां लोग रहते हैं। पहले यहां सिर्फ मछली का कारोबार होता था। लेकिन साल 1930 से इस जगह का विकास होना शुरू हुआ। करीब चार साल बाद यानी 1934 में यहां के लोगों ने मिलकर फैसला किया कि यहां सैलानियों का भी स्वागत किया जाना चाहिए, ताकि उनकी कमाई का एक अलग जरिया बन जाए।

उसके बाद यहां तमाम तरह के रेस्त्रा और छोटे मोटे होटल बन गए। अब दुनियाभर से लोग उत्तरी ध्रुव घूमने के लिए आते हैं। यहां उन्हें एक अलग दुनिया में होने का अहसास होता है। यहां डूबता हुआ सूरज और पोलर लाइट्स तो देखना अपने आप में बहुत रोमांचक होता है।

यहां आपको गहरे नीले आसमान में कभी हरी तो कभी गुलाबी रोशनी देखने को मिलेगी। पोलर लाइट्स को ऑरोरा भी कहा जाता है। यह रात के समय दिखाई देता है वो भी तब जब आसमान में घोर अंधेरा छाया होता है उसके बाद यहां तमाम तरह के रेस्त्रा और छोटे मोटे होटल बन गए। अब दुनियाभर से लोग उत्तरी ध्रुव घूमने के लिए आते हैं। यहां उन्हें एक अलग दुनिया में होने का अहसास होता है। यहां डूबता हुआ सूरज और पोलर लाइट्स तो देखना अपने आप में बहुत रोमांचक होता है। यहां आपको गहरे नीले आसमान में कभी हरी तो कभी गुलाबी रोशनी देखने को मिलेगी। पोलर लाइट्स को ऑरोरा भी कहा जाता है। यह रात के समय दिखाई देता है।

कोबरा से भी ज्यादा खतरनाक है यह मेंढक, छूने से भी चली जाती है जान

इस धरती पर कई तरह के जीव जन्तु पाए जाते हैं। कई जीव दिखने में बहुत खतरनाक होते हैं। वहीं बहुत से जीव खूबसूरत भी होते हैं, जो लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। हालांकि यह जरूरी नहीं कि हर खूबसूरत दिखने वाला जीव अच्छा हो। कई जीव ऐसे भी हैं जो दिखने में तो खूबसूरत होते हैं लेकिन होते बहुत जहरीले होते हैं। ऐसा ही एक मेंढक भी है जो दिखने में तो बहुत अच्छा लगता है लेकिन यह इतना खतरनाक होता है, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। यह मेंढक इतना जहरीला है कि तीन मिनट में 10 लोगों की जान ले सकता है। जहरीले जीवों से हर कोई डरता है और दूर रहने की कोशिश करता है। आपने कोबरा सांप के बारे में सुना होगा। किंग कोबरा बहुत खतरनाक और जहरीला होता है। अगर यह किसी को काट ले तो थोड़ी ही देर में इंसान की मौत हो जाती है। यह मेंढक तीन मिनट में 10 लोगों की जान ले सकता है। यहां तक कि इसको छूने से ही जहर फैल जाता है। इस जहरीले मेंढक का नाम गोल्डन पॉइजन फ्रॉग है। यह मेंढक करीब दो इंच का होता है। कोलंबिया में शिकारी इस मेंढक के जहर का इस्तेमाल शिकार करने वाले हथियार बनाने में करते थे। यह इतने जहरीले होते हैं कि बिना ग्लब्स के इनको पकड़ने पर कुछ ही सेकेंड में किसी की मौत हो सकती है। दरअसल, यह मेंढक खतरा महसूस होते ही अपनी त्वचा से जहर को बाहर निकालने लगता है। इसके जहर में इतनी ताकत होती है कि किसी के भी स्नायु तंत्र को बर्बाद कर सकता है। इसके जहर का प्रभाव होते ही कई परेशानियां होने लगती हैं जिससे इंसान की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो जाती है। यह मेंढक सिर्फ दो इंच का होता है और इसके दो बूंद जहर से किसी की मौत हो सकती है। इस मेंढक का रंग चमकीला और पीला होता है। इसके अलावा यह संतरी और पेल ग्रीन रंग के भी पाए जाते हैं। एक शोध में पाया गया है कि यह मेंढक जितना चमकदार होता है वह उतना ही जहरीला होता है। माना जाता है कि इसके अंदर जहर पौधों और जहरीले कीड़ों पहुंचता है। कोलंबिया के प्रशांत तट पर वर्षा वन के एक छोटे से भूखंड के भीतर ज्यादातर इस मेंढक की प्रजातिया रहती हैं।

कर्मचारियों का भविष्य शेयर बाजार के हाथ में छोड़ा जा रहा : गहलोत

» ओपीएस पर वित्त मंत्री के बयान को बताया अनुचित

» कहा-अपनी मंशा साफ करें निर्मला सीतारमण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के ओपीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम) पर दिए गए बयान पर राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। सीएम ने कहा कि ओपीएस पर वित्त मंत्री जवाब नहीं दे पाई, एक वित्त मंत्री को गोलमोल जवाब देना शोभा नहीं देता। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि वित्त मंत्री साफ़ कर दें कि हम ओपीएस के खिलाफ हैं तो मालूम पड़ जाएगा कि उनकी मंशा क्या है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब ह्यूमन राइट्स कमीशन इसका विरोध कर चुका है, ज्यूडिशल कमीशन इसको मनाने को तैयार नहीं है, ज्यूडिशल सर्विस में ओपीएस रहेगा। आर्मी में ओपीएस रहेगा। बीएसएफ और बाकी सेवाओं में एनपीएस लागू होगा

क्यों? जब एक कर्मचारी 35 साल की सेवा के बाद भी सुरक्षित नहीं महसूस करेगा तो फायदा क्या है, कई कर्मचारियों का भविष्य शेयर बाजार के हाथ में छोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में इसको लागू किया गया था और यह देखा गया कि यह काम नहीं कर रहा है तो अब भारत सरकार को इसको लागू करने की कोशिश क्यों करनी है। मुख्यमंत्री गहलोत ने रायपुर में होने वाले कॉंग्रेस पार्टी के अधिवेशन के पहले राज्य में होने वाली सीबीआई और ईडी की छापेमारी पर कहा कि आज देश में जो हो रहा है वो दुर्भाग्यपूर्ण है।

कांग्रेस दबने वाली पार्टी नहीं

जब से इनकी सरकार बनी है। 2014 से सरकार एजेंसी का दुरुपयोग हो रहा है, जहां भी राज्यों के चुनाव आते हैं इनकी कार्रवाई शुरू हो जाती है। गहलोत बोले कि रायपुर में जो अधिवेशन होने वाला है वो एक राष्ट्रीय पार्टी जिसने देश को आजाद करवाया है उसका महा अधिवेशन है। इससे पहले इस प्रकार की करवाई कर देश को क्या संदेश देना चाहते हैं। गहलोत बोले कि अम्बेडकर साहब ने देश का संविधान बनाया उन्होंने भी नहीं सोचा होगा कि देश में एक ऐसी पार्टी सत्ता में आएगी जो खुले आम संविधान की धज्जियां उड़ाएगी। मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने बयान में कहा कि यह लोग जितना भी दबाव बना लें, कॉंग्रेस दबने वाली नहीं है। इनका मुकाबला करेंगे और जितने दुश्मन इन्होंने बनाए हैं वो इन पर भारी पड़ेंगे।

एक्वीफर में छेद की वजह से हुआ था जोशीमठ में भू-धंसाव

गीताश्री

» एनटीपीसी की परियोजना के लिए सुरंग की खुदाई का असर

» विशेषज्ञों की रिपोर्ट में खुलासा

ऋषिकेश। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय की तीन सदस्यीय विशेषज्ञों की समिति की रिपोर्ट में एनटीपीसी की तपोवन विष्णुगढ़ परियोजना के लिए सुरंग खोदाई से एक्वीफर (जलभर) में हुए पंचर (छेद) को जोशीमठ में हुए भू-धंसाव का बड़ा कारण माना गया है। हालांकि समिति का यह भी दावा है कि जोशीमठ की भूगर्भीय संरचना और भार धारण क्षमता से अधिक निर्माण से भी भू-धंसाव की स्थिति पैदा हुई। समिति ने मौजूदा परिस्थितियों में जोशीमठ की भार क्षमता को कम करने का सुझाव दिया है। विश्वविद्यालय समिति की अध्ययन रिपोर्ट को राज्यपाल, शासन और आपदा प्रबंधन विभाग को सौंपेगा।

2009 से शुरू हुआ था भू जल का रिसाव

अध्ययन समिति के सदस्य डॉ. श्रीकृष्ण नौटियाल ने बताया कि वर्ष 2009 में तपोवन विष्णुगा? परियोजना के लिए सुरंग की खुदाई के दौरान मशीन सुरंग में फंस गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि तब सुरंग में ब्लॉस्टिंग की गई थी। बताया कि इससे ही एक्वाफर (जलभर) पंचर हो गए। यह सुरंग से निकला भूजल ही भू-धंसाव के बाद जमीन से निकलना शुरू हुआ।

श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय की ओर से जोशीमठ में भू-धंसाव के कारणों के अध्ययन के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की गई। समिति में कला संकाय के डीन और भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. डीसी गोस्वामी, भूगोल विभाग के डॉ. श्रीकृष्ण नौटियाल और गोपेश्वर कैंपस के भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद भट्ट को शामिल किया गया। समिति ने 25 जनवरी से 28 जनवरी तक जोशीमठ में भू-धंसाव का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट तैयार की। समिति के अध्यक्ष प्रो. डीसी गोस्वामी ने अध्ययन रिपोर्ट कुलपति को सौंपी। प्रो. डीसी गोस्वामी ने पत्रकारों को बताया कि जोशीमठ की भूगर्भीय संरचना को देखे तो यह लंबे समय तक ग्लेशियर से ढका रहा। ग्लेशियर के मलबे और बड़े-बड़बोल्डरों से जोशीमठ की सतह का निर्माण हुआ।

उन्होंने बताया कि जोशीमठ की सतह और बोल्डरों की ढलान एक ही ओर है। एनटीपीसी की सुरंग की खोदाई के दौरान एक्वीफर में पंचर हो गया, जिससे गांव तक जाने वाले जलस्त्रोत भी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि जेपी प्रोजेक्ट के पास 580 लीटर प्रति मिनट से हुआ भूजल रिसाव इसका प्रमाण है। समिति के सदस्य डॉ. श्रीकृष्ण नौटियाल ने बताया कि जोशीमठ की भार धारण क्षमता के अनुसार 25 मीटर से अधिक ऊंचाई के भवनों का निर्माण नहीं होना था। जबकि क्षेत्र में सात मंजिला भवनों का निर्माण कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह तीनों ही जोशीमठ में भू-धंसाव के कारण हैं। उन्होंने कहा कि जोशीमठ की भार क्षमता को कम करने के लिए भवनों को तोड़ना और फिर से स्थापना ही फिलहाल उपाय है।

स्पंदन में छात्रों ने मन मोहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय आशियाना लखनऊ में वार्षिक प्रोग्राम स्पंदन आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव आबकारी, संजय भूसरेड्डी रहे। मुख्य अतिथि का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सुमन गुप्ता द्वारा किया गया।

» महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

कार्यक्रम का प्रारम्भ मां सरस्वती की वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, एवं तत्पश्चात महिला सशक्तिकरण के विषय पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा नृत्य एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा द्वारा देशभक्ति पर आधारित जी-20 देशों के परिधान का फैशन शो के रूप में शानदार प्रस्तुति दी गई। साथ ही परीक्षाओं की विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे नेट जेआरएफ इत्यादि में सफल छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ. रश्मि यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सनोबर हैदर द्वारा किया गया।

सचान के प्लॉट व कैबिनेट पद पर कब चलेगा बाबा का बुलडोजर : संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरकार के भ्रष्टाचार पर प्रहार करते हुए आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी सांसद संजय सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा की चाल, चरित्र और चेहरे से पहचानने वाली भाजपा सरकार अब अपने मंत्री द्वारा किए गए भ्रष्टाचार पर चुप क्यों है? उन्होंने कहा कि अब बाबा का बुलडोजर राकेश सचान के प्लाट और कैबिनेट पद पर कब चलेगा? राकेश सचान को मंत्रिमंडल से कब बाहर निकाला जाएगा? भाजपा के लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग मंत्री राकेश सचान को भ्रष्टाचार के चलते 72 प्लाट आवंटित हो गए।

कहा- मंत्री के भ्रष्टाचार पर चुप क्यों है भाजपा

राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि कानपुर में बेसहारा और गरीब के घर पर बुलडोजर चला दिया गया और मां बेटी की प्रशासन द्वारा आग लगाकर हत्या कर दी गई जो कि एक झोपड़ी में रह रहे थे पर राकेश सचान के 72 प्लाट पर बाबा का बुलडोजर कब चलेगा। संजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के इशारे पर सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स वाले विपक्ष की गर्दन दबाने के लिए हर समय तैयार रहते हैं और निराधार ही विपक्ष के नेताओं और उनके परिवारों को साजिशों में फसाया जाता है लेकिन देश की जनता अब यह जानना चाहती है कि जिस राकेश सचान के भ्रष्टाचार का खुलासा हो चुका है उस पर प्रधानमंत्री जी एक्शन कब लेंगे।

शादी की उम्र पर कानून बनाने का अधिकार संसद को : सुप्रीम कोर्ट

» महिलाओं के लिए शादी की न्यूनतम उम्र एक समान करने की मांग वाली याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिलाओं के अधिकारों को लेकर दशकों तक दिखे जूडिशल एक्टिविज्म के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने अपने रुख में बदलाव किया है। सुप्रीम कोर्ट ने पुरुषों और महिलाओं के लिए शादी की न्यूनतम उम्र एक समान करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने साफ कहा कि कुछ मामले संसद के लिए होते हैं और अदालतें महिलाओं के शादी की उम्र पर कानून नहीं बना सकती हैं।

चीफ जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अदालत संसद को विधेयक पारित करने के लिए आदेश भी नहीं दे सकती है। इससे पहले वर्कप्लेस पर यौन शोषण से संबंधित विशाखा केस के बाद से ऐसा देखा गया था कि सुप्रीम कोर्ट महिलाओं के अधिकारों की बात करते हुए जुडिशल एक्टिविज्म की तरह पेश आ रहा था। अब उसने महिलाओं के मुद्दे पर ही दूरी बना ली। वकील अश्विनी उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर पुरुषों और महिलाओं के लिए शादी की कानूनी उम्र सीमा एक समान करने की मांग की थी।

सरकार पर छोड़ना चाहिए

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा, ये ऐसे मामले हैं जिसे हमें संसद और सरकार पर छोड़ना चाहिए। हम संविधान के एकमात्र संरक्षक नहीं हैं। वैसे, महिला और पुरुष के शादी की एक समान उम्र होनी चाहिए लेकिन इसे विधायिका और सरकार के विवेक पर छोड़ना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट न तो संसद को निर्देश दे सकती है और न ही कानून बना सकती है।

तेरहवीं संस्कार में पुरानी रंजिश में दो लोगों की हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

औरैया। सदर कोतवाली क्षेत्र के भीखापुर गांव में तेहरवीं संस्कार के दौरान शिक्षामित्र की रंजिश में गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। हमलावर के साथ आए एक युवक को ग्रामीणों ने पीटकर मार डाला। जानकारी मिलते ही एसपी चारू निगम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची।

देर रात आईजी ने मौके पर पहुंच घटना की जानकारी ली। भीखापुर गांव में सोमवार को विश्राम सिंह के पिता भोला सिंह सेंगर की तेहरवीं थी। इसमें गांव के लोग व रिश्तेदार मौजूद थे। यहीं पर गांव के रामवीर सिंह राजावत भी थे। कार्यक्रम में शामिल होने औरैया के ब्रह्मनगर से आए एक युवक ने रामवीर पर राइफल से फायर झोंक दिया। लोग कुछ समझ पाते तब तक हमलावर ने आठ से 10 राउंड फायरिंग कर दहशत फैला दी। इसी बीच उसके साथ आए लोग भागने लगे। ग्रामीणों ने घटनास्थल से कुछ दूरी पर हमलावरों के साथ आए एक युवक को पकड़ लिया और ईंट, पत्थर, लाठी-डंडों से पीटकर उसकी हत्या कर दी।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

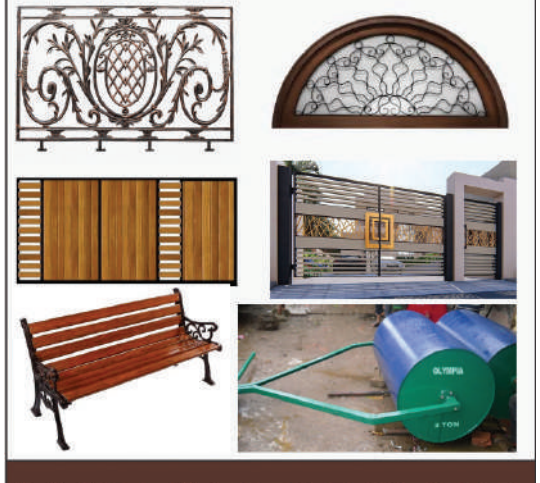

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

ईडी-आयकर-एनआईए की पूरे देश में छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच जल (एनआईए) ने मंगलवार सुबह सात राज्यों की 70 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी की। बताया गया है कि यह छापे गैंगस्टर और क्राइम सिंडिकेट से जुड़े एक मामले में डाले गए हैं। जिन राज्यों में एनआईए ने छापेमारी की है, उनमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश शामिल हैं। इसके अलावा केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली और और चंडीगढ़ में भी एजेंसी ने जांच बिठाई है।

सात राज्यों में एनआईए की जांच

बताया गया है कि एनआईए की टीम सबसे ज्यादा पंजाब की 30 लोकेशन में छापेमारी कर रही है। एनआईए की यह छापेमारी गैंगस्टर नेटवर्क पर कार्रवाई का चौथा राउंड है। इससे पहले भी अलग-अलग राज्यों में एजेंसी ने छापेमारी की है। इसके अलावा गुजरात में भी एनआईए की एक टीम ने रेड डाली है। यह छापेमारी लॉरेन्स बिश्नोई के करीबी कुलविंदर के गांधीधाम स्थित परिसर में हो रही है। कुलविंदर पर बिश्नोई गैंग के लोगों को आसरा देने का आरोप है। सूत्रों के मुताबिक, कुलविंदर के अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफियाओं से भी संबंध हैं।

पैकेजिंग कंपनी के देशभर के ठिकानों पर आयकर विभाग की रेड

नई दिल्ली। यूफ्लेक्स पैकेजिंग कंपनी के ठिकानों पर मंगलवार सुबह से आयकर विभाग की बड़ी छापेमारी जारी है। आज सुबह से कंपनी के देश भर के ठिकानों पर इनकम टैक्स की टीम छापेमारी कर रही है। नोएडा, मुंबई, दिल्ली आदि ठिकानों पर भी छापेमारी चल रही है। आयकर विभाग पैकेजिंग कंपनी के देशभर में 64 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी कर रहा है। वहीं नोएडा-ग्रेटर नोएडा में 20 ठिकानों पर छापेमारी जारी है। ये जांच नोएडा यूनिट की है। बताया जा रहा है कि कंपनी की ओर से अलिखित लेन-देन और टैक्स चोरी की बात सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि विभाग कंपनी के खातों पर बीते गई दिन से नजर रख रहा था, जिसके बाद ये सर्च की जा रही है।

नार्को आतंकवाद मामले में कश्मीर घाटी में एसआईए का छापा

जम्मू कश्मीर । कश्मीर घाटी के पांच जिलों में मंगलवार को राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने रेड की है। एजेंसी की टीमें पांच अलग-अलग जगहों पर स्थानीय पुलिस और सीआरपीएफ के साथ पहुंची। बताया जा रहा है कि नार्को टेररिज्म के मामले में ये कार्रवाई की जा रही है। बारामूला, अनंतनाग, पुलवामा, बडगाम और सोपोर जिलों में तलाशी ली जा रही है। एसआईयू ने अवंतिपोरा में दो अलग-अलग जगहों पर दबिश दी। इससे पहले सोमवार को आतंकवादी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई में विशेष जांच इकाई (एसआईयू) अवंतीपोरा ने त्राल में दो जगहों पर दबिश दी और दो घरों की तलाशी ली। ये घर संदिग्ध जमशेद अहमद भट निवासी सतुरा त्राल और समीर अहमद मोहन निवासी शायराबाद त्राल के हैं। इस संबंध में थाना त्राल में केस दर्ज है।

अधिकारी के मुताबिक तलाशी के दौरान उचित एसओपी का पालन किया गया और प्रासंगिक जानकारी एकत्र की गई। अधिकारी के अनुसार एसआईयू अवंतीपोरा द्वारा आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि यह तलाशी अन्य आतंकी अपराधों में उनकी संलिप्तता के अधिक सबूत एकत्र करना था।

झारखंड में ईडी ने खंगाले ठिकाने

नई दिल्ली। झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय में इंजीनियर वीरेंद्र राम से जुड़े रांची समेत देशभर के 24 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय छापेमारी कर रहा है। बता दें कि इससे पहले 20 फरवरी को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भी इडी ने प्रदेश में 12 से ज्यादा कांग्रेस नेताओं के घर छापेमारी की थी। सुबह 5 बजे से ईडी की टीम रायपुर में कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं के घर और दफ्तर पहुंची थी। दस्तावेजों को खंगालने के साथ-साथ जांच अभी भी जारी है। राज्य की राजधानी रांची, जमशेदपुर और दिल्ली सहित लगभग दो दर्जन स्थानों पर संघीय जांच एजेंसी के जांचकर्ताओं द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला राज्य सतर्कता ब्यूरो की शिकायत के बाद सामने आया है जिसमें सरकारी काम के अनुदान के बदले कुछ कथित कमीशन का भुगतान किया गया था, और सूत्रों ने कहा कि इन आरोपों के संबंध में अधिक सबूत इकट्ठा करने के उद्देश्य से तलाशी ली जा रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के एक अधिकारी और कुछ एंट्री ऑपरेटरों (हवाला डीलरों) और दलालों के परिसर को कवर किया जा रहा है।

विधानसभा सत्र की झलकियां

फोटो: सुमित कुमार

नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव व अन्य विधायकगण।

नेता सदन योगी आदित्यनाथ।

संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य।

कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा, बसपा विधायक उमाशंकर सिंह।

कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह।

ऑस्ट्रेलिया को झटका: वॉर्नर स्वदेश लौटेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई टीम के मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर में हालात बद से बदतर हो जा रहे हैं। डेविड वॉर्नर कोहनी में फ्रैक्चर के कारण आखिरी दो टेस्ट से बाहर हो गए हैं।डेविड वॉर्नर को दिल्ली में खेले गए दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान मोहम्मद सिराज की गेंद बाएं हाथ की कोहनी पर लगी थी। दो ओवर के बाद उनके हेलमेट पर गेंद लगी थी। वॉर्नर को बाद में कनकशन महसूस हुआ और उनकी जगह मैट रेनशॉ को सबस्टीट्यूट के तौर पर शामिल किया गया। वॉर्नर के कनकशन की चिंता नहीं थी, लेकिन उनकी कोहनी की चोट चिंता का विषय बनी हुई थी।

चोट के कारण आखिरी दो टेस्ट से हुए बाहर

वॉर्नर को शुरुआत में लगा कि हेयरलाइन फ्रैक्चर इतना कम होगा कि वो

इंदौर टेस्ट में हिस्सा ले पाएंगे। वॉर्नर सोमवार रात तक भारत में रुककर तीसरे टेस्ट में खेलने की कोशिश में जुटे थे। मगर उनके दर्द और मूवमेंट की रेंज के परीक्षण के बाद वो आधिकारिक रूप से बाहर हो गए। वॉर्नर अपने परिवार के साथ स्वदेश लौटेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम वॉर्नर के विकल्प के रूप में शायद किसी को शामिल नहीं करेगी। कैमरन ग्रीन तीसरे टेस्ट में खेलने के लिए फिट हो चुके हैं। ग्रीन को दूसरे टेस्ट के दौरान पहली बार नेट्स पर बल्लेबाजी का अभ्यास करते हुए देखा गया था। उन्होंने नेट्स पर स्कॉट बोलैंड और मिचेल स्टार्क का सामना किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस समय मुसीबतों से घिरी हुई है। जोश हेजलवुड चोट के कारण दौरे से बाहर हो गए हैं। वो स्वदेश लौटेंगे। कप्तान पैट कमिंस पारिवारिक कारणों से स्वदेश लौट चुके हैं। उम्मीद है कि पैट कमिंस एक सप्ताह के भीतर लौट आएंगे और इंदौर टेस्ट में टीम की कमान संभालेंगे।

महंगाई और बेरोजगारी की वजह से हुईं हत्याएं: महासेठ

» जेठुली गोलीकांड पर मंत्री के बिगड़े बोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना के नदी थानी क्षेत्र के जेठुली में गोलीकांड की घटना ने नीतीश कुमार की सुशासन वाली सरकार पर सवाल खड़ा कर दिया है। नदी थाना क्षेत्र के जेठुली में हुई हिंसा में अबतक तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

पिछले दो दिनों के दौरान फायरिंग, आगजनी और पथराव की घटना से इलाके में माहौल तनावपूर्ण है। हालांकि, नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री समीर महासेठ आपसी वर्चस्व को लेकर हुई इस को हिंसा की वजह महंगाई और बेरोजगारी को मानते हैं। बिहार के

उद्योग मंत्री समीर महासेठ का यह अजीबोगरीब बयान मंगलवार को सामने आया है। उन्होंने जेठुली में हिंसा को लेकर कहा कि लोगों में आक्रोश है। सरकार की तरफ से रोजी-रोजगार देने की नीति है। अगर केंद्र की तरफ से बिहार में दो करोड़ रोजगार दिया जाता, तो ये नहीं होता। बेरोजगारी के कारण लोग आक्रोशित हैं। समीर महासेठ ने आगे कहा कि सभी का इनकम घट रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।